गोरखपुर से प्रकाशित

Title Code: UPBIL05289

स्वदेशी इनक्रेडिबल

द्विभाषी (साप्ताहिक)

वर्ष–1 अंक–23 गोरखपुर, रविवार 26 नवम्बर 2023 पृष्ठ–8 मूल्य–2 रुपया

टनल में फंसे श्रमिकों को लेकर मोदी बेहद संवेदनशील

देहरादून/(एजेन्सी)। उत्तरकाशी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तरकाशी सिलक्यारा टनल में फंसे श्रमिकों के स्वास्थ्य को लेकर भी

बेहद संवेदनशील हैं। उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को टनल से बाहर आने पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और जरूरत पड़ने पर हस्पिटल या घर भेजने की व्यवस्था के निर्देश दिये। प्रधानमंत्री मोदी रोजाना सिलक्यारा टनल में फंसे ४१ श्रमिकों एवं उनके परिजनों के बारे में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को फोन कर अपडेट ले रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी से बातचीत में शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने बचाव कार्य में उत्पन्न होने वाली बाधा और रुकावट के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें अवगत कराया कि न्यू अस्ट्रियन टनल मेथड से इस सुरंग का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस्पात से बनी वस्तुओं के अगर मशीन के सामने आने पर कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। ऐसे में अगर मशीन को रोककर और फिर उसे बाहर निकालकर सभी अवरोधों को श्रमिकों द्वारा दूर किया जा रहा है, जिसके कारण इस प्रक्रिया में समय लग रहा है। मुख्यमंत्री को इस दौरान प्रधानमंत्री ने विशेष निर्देश दिए कि जब श्रमिक टनल से बाहर निकलेंगे तो उनके स्वास्थ्य परीक्षण और चिकित्सकीय देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। प्रधानमंत्री ने इस दौरान सुरंग के अंदर फँसे श्रमिकों की स्थिति और उनको दी जाने वाली खाद्य और दैनिक दिनचर्या की वस्तुओं के बारे में जानकारी लेने के साथ ही राहत तथा बचाव कार्य में लगे श्रमिकों की स्थिति एवं उनके लिए किए जा रहे सुरक्षा के उपाय के बारे में पूछा। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि इसमें किसी तरह की कोई कमी न रहे। उन्होंने बचाव कार्य की प्रगति और किए जा रहे कार्यों के साथ ही विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और यदि किसी अन्य सहयोग की जरूरत है तो उस पर जानकारी ली। साथ ही श्रमिकों के परिजनों के बारे में जानकारी भी ली। श्री धामी ने प्रधानमंत्री को जानकारी दी कि सिलक्यारा सुरंग में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जमीनी स्तर पर मनिटरिंग करने के साथ ही उनके द्वारा मातली उत्तरकाशी में ही अस्थायी मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थापित किया है ताकि बेहतर ढंग से पूरे अपेरशन की मनिटरिंग हो सके। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि छह इंच व्यास के पाइप लाइन मलवे के सफलता पूर्वक बिछाए जाने के बाद वैकल्पिक लाइफ लाइन बनाई गई है।

जिसके माध्यम से टनल में फंसे श्रमिकों तक ताजा पका भोजन, फल, ड्राई फ्रूट्स, दूध, जूस के साथ ही डिसपोजेबल प्लेट्स, ब्रश, तौलिया, छोटे कपड़े, टूथ पेस्ट, साबुन, आदि दैनिक आवश्यकता की सामग्री बोतलों में पैक कर भेजी जा रही है। जिससे श्रमिकों के भोजन एवं पोषण की समस्या को लेकर अब कोई चिंता नहीं है। इसी पाइप लाइन के जरिए एसडीआरएफ द्वारा स्थापित कम्युनिकेशन सेटअप के माध्यम से श्रमिकों से नियमित संवाद किया जा रहा है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने कोलकाता में भाजपा की मेगा रैली को दी अनुमति

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार को बड़ा झटका देते हुए, कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने शुक्रवार को भाजपा को शहर में उसी स्थान पर २६ नवंबर

को अपनी मेगा रैली करने की अनुमति दे दी, जहां राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस २१ जुलाई को अपनी वार्षिक शहीद दिवस रैली आयोजित करती है। पश्चिम बंगाल में मनरेगा के तहत १०० दिन की नौकरी योजना के कार्यान्वयन में अनियमितताओं के विरोध में आयोजित होने वाली भाजपा रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ–साथ केंद्रीय राज्य मंत्री गिरिराज सिंह और निरंजन ज्योति के भी शामिल होने की उम्मीद है। सोमवार को, न्यायमूर्ति राजशेखर मंटा की एकल–न्यायाधीश की पीठ ने रैली के लिए पुलिस द्वारा अनुमति देने से इनकार करने पर भाजपा को पसंद के स्थान पर इसे आयोजित करने की अनुमति दी थी। लेकिन बुधवार को, राज्य सरकार ने एकल–न्यायाधीश पीठ के आदेश को चुनौती देते हुए मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणम और न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ से संपर्क किया। खंडपीठ ने शुक्रवार को भी एकल न्यायाधीश पीठ के आदेश को बरकरार रखा और भाजपा को अपने कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ने की अनुमति दी। इसमें यह भी कहा गया कि हालांकि भाजपा को कोलकाता पुलिस की शर्तों और प्रतिबंधों के अनुसार रैली आयोजित करनी होगी, लेकिन बाद में आयोजकों पर कोई अतिरिक्त या नया प्रतिबंध लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अदालत की टिप्पणी यह थी कि यदि कोई विशेष कार्यक्रम (तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस' रैली पढ़ें) मध्य कोलकाता में उस स्थान पर आयोजित किया जा सकता है, तो कोई कारण नहीं है कि किसी अन्य आयोजक द्वारा उसी स्थान पर एक समान रैली का आयोजन नहीं किया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा,"उस स्थिति में हमें २१ जुलाई की रैली भी रद्द करनी होगी। बल्कि हमें सभी सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द करने का आदेश देना होगा। क्या वह अच्छा होगा? राजनीतिक जटिलताएं पैदा करने की क्या आवश्यकता है। जहां भाजपा की राज्य इकाई ने फैसले का स्वागत किया है, वहीं तृणमूल कांग्रेस ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

आप सांसद संजय सिंह को नहीं मिली राहत, कोर्ट ने 4 दिसंबर तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को राउज एवेन्यू कोर्ट से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत ४ दिसंबर तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने संजय सिंह की नियमित जमानत की अर्जी पर सुनवाई के दौरान उन्हें जेल में इलेक्ट्रिक केतली देने की इजाजत दे दी है। ईडी ने कोर्ट को बताया कि मामले में जल्द ही सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की जाएगी। इससे पहले संजय सिंह की कस्टडी १० नवंबर को २४ नवंबर तक के लिए बढ़ाई गई थी। जिसे अब फिर से ४ दिसंबर तक के लिए बढ़ा दी गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और संजय सिंह के पक्ष को सुनने के बाद अदालत ने उन्हें फिर से जेल भेज दिया। ईडी ने चार अक्टूबर को दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित धनशोधन मामले में संजय सिंह को उनके सरकारी आवास पर छापेमारी और कई घंटो की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें पांच अक्टूबर को न्यायिक हिरासत में कोर्ट ने भेजा था। फिर कई बार हिरासत की तारीख खत्म होने पर सिंह कोर्ट पहुंचे। लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली। वहीं, संजय सिंह ने ट्रायल कोर्ट में जमानत याचिका दायर की है, जिस पर शनिवार को सुनवाई हो सकती है। दिल्ली आबकारी नीति मामले में ही पूर्व डिप्टी सीएम और आप नेता मनीष सिसोदिया को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। इस नीति को केजरीवाल सरकार ने गड़बड़ी होने आरोपों के बीच २०२२ में वापस ले लिया था। ईडी का दावा है कि दिल्ली शराब नीति में कई डीलरों को फायदा पहुंचाने के लिए कथित तौर पर रिश्वत ली गई है।

41 हजार करोड़ की परियोजनाओ से बदलेगी लखनऊ की सूरत

लखनऊ(संवाददाता)। ४०५०० करोड़ की परियोजनाओं से आने वाले वर्षों में राजधानी की सूरत बदलने की तैयारी है।इनको धरातल पर उतारने की दिशा मे काम चल रहा है। एलडीए ५५०० करोड़ की तीन परियोजनाओं को लांच करने की तैयारी में है। निजी बिल्डरों की २५००० करोड़ की ७३ परियोजनाएं जमीन पर उतारी जाएंगी। आवास विकास परिषद लखनऊ में १० हजार करोड़ की परियोजनाओं पर काम करने जा रही है।एलडीए ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में निजी बिल्डरों की २५ हजार करोड़ के निवेश की आधारशिला रखने जा रहा है। इसके लिए ७३ ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट्स आ रहे हैं। इनमें डेढ़ लाख लोगों को आवासीय सुविधा मिलेगी। अस्पताल, होटल व स्कूल, इंस्टीट्यूट आदि भी बनेंगे। इन परियोजनाओं में १० हजार लोगों को रोजगार भी मिलेगा। एलडीए की मोहान रोड योजना ७०० एकड़ में बिल्कुल तैयार है। इसको एजुकेशन सिटी के रूप में विकसित करने की तैयारी है। योजना में १० हजार को रोजगार मिलेगा।५०० करोड़ इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च होंगे। सुल्तानपुर रोड पर भी १३०० एकड़ व १५०० एकड़ की दो अन्य योजनाएं एलडीए लाने जा रहा है। इनकी जमीन के अधिग्रहण तथा विकास पर प्राधिकरण ५००० करोड़ रुपये खर्च करेगा।सुल्तानपुर रोड योजना को एलडीए आईटी सिटी के रूप में विकसित करेगा।एलडीए की इन तीनों योजनाओं में करीब २.५० लाख लोगों को आवास मिलेगा। ४० हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।आने वाले वर्षों में व्यावसायिक ग्रुप आएंगे। कम्पनियों ने प्राधिकरण से सम्पर्क साधा है।कई बड़े मल ग्रुप इन योजनाओं में जमीन मांग रहे हैं। प्राधिकरण की आईटी सिटीयोजना में आईटी कम्पनियों को जगह मिलेगी।नया ट्रांसपोर्टनगर विकसित होगा। मुम्बई का टाटा ग्रुप भी यहां नया संस्थान बनाने के प्रयास में है।

आवास विकास १० हजार करोड़ की परियोजनाओं पर काम शुरू करने की तैयारी में है सुल्तानपुर रोड, किसान पथ पर ५००० एकड़ में नई आवासीय योजनाएं लाने जा रहा है।

सम्पादकीय........

सुप्रीम कोर्ट का शिकंजा

योग गुरु के रूप में प्रसिद्धि पाने के बाद आयुर्वेदिक दवाओं के व्यवसाय में उतरे बाबा रामदेव जैसे–जैसे ख्याति पाते गये, वे नये–नये विवादों में भी घिरते गये हैं। प्रारम्भ में तो उनकी सराहना हुई कि उन्होंने भारतीयों को अपने स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया। उनके योग शिविरों में लोगों ने भारी–भरकम शुल्क देकर योग सीखा। इसके बल पर उन्होंने अपना बड़ा साम्राज्य स्थापित कर लिया।अंग्रेजी दवाओं के खिलाफ उन्होंने बड़ा अभियान चलाया। इसे उन्होंने भारत की परम्परागत उपचार विधि पर हमला बताया। बाद में वे हरिद्वार के अलावा विभिन्न राज्यों में स्वयं के आयुर्वेदिक दवाओं के कारखाने खड़े करते गये तथा एक तरह से उनके पास हर बीमारी का इलाज मानों उपलब्ध था। वैसे तो उनके इलाज एवं दवाओं को प्रारम्भ से ही आधुनिक प्रणाली के लोग शंका की नजर से देखते रहे हैं, परन्तु अपने प्रचार तंत्र और सत्ता से नजदीकियों के कारण उनके खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई कभी नहीं की जा सकी। अलबत्ता अब सुप्रीम कोर्ट में पतंजलि को कड़ी फटकार मिली है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की ओर से दायर एक याचिका पर मंगलवार को सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने पतंजलि को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनके उत्पादों को लेकर किसी भी तरह के भ्रामक विज्ञापन जारी किये गये तो हर विज्ञापन पर १ करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जायेगा। शीर्ष कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद को भविष्य में किसी भी तरह के भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने से बचने की सलाह देते हुए यह भी कहा कि ऐसा प्रेस बयान भी न दिया जाये जिससे कोई भ्रम फैले। वैसे सुप्रीम कोर्ट की इस चेतावनी के बाद रामदेव ने यह आरोप लगाया कि पतंजलि के खिलाफ ड्रग माफिया द्वारा षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने इस बात से इंकार किया कि वे कोई गलत प्रचार कर रहे हैं। बुधवार को हरिद्वार में एक प्रेस वार्ता आयोजित कर रामदेव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर पतंजलि कोई गलत प्रचार करेगा तो उस पर जुर्माना लगेगा। रामदेव ने मुख्य न्यायाधीश के समक्ष स्वास्थ्य लाभ लिये हुए मरीजों की परेड करने की भी चुनौती देते हुए कहा कि गलती करने पर वे एक हजार करोड़ रुपये का जुर्माना भरने व फांसी चढ़ने के लिये भी तैयार हैं। रामदेव पहले तो योग करने–कराने में व्यस्त रहे लेकिन बाद में उन पर देश से भ्रष्टाचार खत्म करने का भूत सवार हो गया। वे एक दशक पहले हुए अन्ना हजारे के लोकपाल आंदोलन से जुड़ गये थे। उनकी लोकप्रियता ऐसी थी कि जब वे दिल्ली के रामलीला मैदान में चल रहे धरने में भाग लेने के लिये पहुंचे तो ड. मनमोहन सिंह की तत्कालीन कांग्रेस प्रवर्तित केन्द्र सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री उन्हें लेने व मनाने पहुंचे थे। यह अलग बात है कि आंदोलन को खत्म करने के लिये जब लाठी चार्ज हुआ तो मंच से कूदकर भागने वालों में वे सबसे आगे थे। उनके अनुयायियों ने उन्हें महिला के कपड़े पहनाकर सुरक्षित निकाला था। मनमोहन सिंह की सरकार को बदनाम करने में जिन लोगों का प्रमुख हाथ था उनमें रामदेव भी थे। उनका दावा था कि अगर विदेशों में भारतीयों का रखा कथित भ्रष्टाचार का पैसा वापस आ जाये तो पेट्रोल पानी के भाव से मिलेगा और हर गांव समृद्ध होगा। उनकी भारतीय जनता पार्टी से नजदीकियां बढ़ती चली गयीं। बताया जाता है कि अनेक राज्यों में उन्हें दवा निर्माण के लिये फैक्ट्रियां लगाने के लिये बहुत सस्ते में जमीनें मिल गयीं। हालांकि उन पर आरोप है कि उनकी दवाएं अमानक होती हैं तथा बहुत से ब्रांड उन्होंने आऊटसोर्स कर दिये हैं। यानी वे खुद नहीं बनाते। यह जानकर कि उनके प्रति लोगों का विश्वास व श्रद्धा इतनी है कि वे किसी भी कीमत पर उनकी दवाएं खरीद लेंगे, पतंजलि के उत्पाद काफी महंगे होते हैं व देश भर में उनकी दवाओं की मांग है। अब रामदेव केवल दवा नहीं बनाते बल्कि खाद्य सामग्रियां, सौंदर्य प्रसाधन का उत्पादन भी करते हैं। विदेशी संस्ति की आलोचना करने वाले, भगवा वस्त्रधारी रामदेव को जीन्स के परिधान बनाने से भी परहेज नहीं रह गया। उनके उत्पादों पर कई बार आपत्तियां उठाई गईं लेकिन सत्ताधीशों के समर्थन से उन पर आंच तक न आई। भ्रष्टाचार व महंगाई पर वे अब कुछ नहीं कहते। कोरोना काल में भी रामदेव ने भ्रम फैलाने का कार्य किया। जब करोड़ों लोग आधुनिक तकनीकों से किए गए शोधों के आधार पर एलोपैथी प्रणाली के टीके व दवाओं से अपनी जान बचा रहे थे, रामदेव ने इसकी निरर्थकता का प्रचार करते हुए आनन–फानन में तैयार अपने उत्पादों को रामबाण बतलाते हुए उसे बड़े पैमाने पर बेचा। आईएमए ने इस पर आपत्ति उठाई कि पर्याप्त शोध एवं आवश्यक अवधि तक प्रभाव देखे बिना पतंजलि अपनी कथित कोरोनारोधी दवाएं बेच रहा है। इस पर अपने समर्थकों, अनुयायियों एवं मुख्य धारा के मीडिया के जरिये एलोपैथी प्रणाली के खिलाफ उनके द्वारा अभियान ही छेड़ दिया गया। यहां तक कि संस्था को ईसाई बतलाया गया। उस दौरान उठे एलोपैथी बनाम आयुर्वेद विवाद का फायदा भी उन्होंने जमकर उठाया। परिणामस्वरूप कई लोगों ने एलोपैथी की बजाय पतंजलि के उत्पाद लेने प्रारम्भ किये। योग से शुरु कर रामदेव की बनाई मल्टी–प्रोडक्ट्स वाली कम्पनी से किसी की दुश्मनी नहीं है। हर कोई अपना व्यवसाय कर सकता है लेकिन उसके लिये सभी आवश्यक नियमों का पालन जरूरी है। विशेषकर लोगों को भ्रमित कर अपना व्यवसाय करना सामाजिक हितों के खिलाफ है क्योंकि अमानक दवाएं हों या खाद्य सामग्रियां, वे जानलेवा होती हैं।

कांग्रेस पर बरसे चंद्रशेखर राव, कहा, इनके नेता बीआरएस में शामिल होने की बात कहकर वोट मांग रहे हैं

हैदराबाद (एजेन्सी)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख एवं मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस के उम्मीदवार निर्वाचित होने पर बीआरएस में शामिल होने की बात कहकर लोगों से वोट मांग रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यहां कोयला खनन क्षेत्र में एक रैली को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कह रहे हैं कि राज्य की 'सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के बजाए अ स्ट्रेलिया में अडाणी समूह की कोयला खदानों से कोयला आयात किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व के कांग्रेस शासकों की नाकामी के कारण राज्य सरकार को एससीसीएल में अपनी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचनी पड़ी। राव ने आरोप लगाया, '' कांग्रेस के लोगों को यह यकीन हो गया है कि उनकी हार निश्चित है इसलिए उन्होंने नया प्रचार शुरू किया है। वे लोगों से उन्हें निर्वाचित करने को कह रहे हैं ताकि जीतने के बाद वे बीआरएस में

शामिल हो सकें। राव ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोलते हुए प्रश्न किया कि भगवा पार्टी को वोट क्यों देना चाहिए जिसने तेलंगाना को एक भी मेडिकल क लेज या नवोदय स्कूल नहीं दिया है। राव ने मजाकिया लहजे में कहा, '' उनको वोट देना वोट को नाली में बहाने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी ही थी जिसने 1956 में तेलंगाना का आंध्र प्रदेश में विलय किया जिसके परिणामस्वरूप 50 वर्षों तक पीड़ा झेलनी पड़ी। उन्होंने कांग्रेस पर आश्वासन के बाद भी तेलंगाना के गठन में देरी का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने सिंगरेनी खदानों के बारे में कहा, ''हमने सिंगरेनी कर्मचारियों को कई सुविधाएं प्रदान कीं। तेलंगाना विधानसभा ने भी एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से सिंगरेनी कर्मचारियों का आयकर माफ करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, ''लेकिन (प्रधानमंत्री) मोदी ये नहीं कर रहे हैं बल्कि कह रहे हैं कि आप सिंगरेनी को बंद कीजिए और हम अ स्ट्रेलिया से अडानी (खदानों) से कोयला आयात करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपनी सरकारी की उपलब्धियों को जनता के समक्ष रखा और लोगों से पार्टी के उम्मीदवार के पक्ष में वोट डालने की अपील की।

आदित्य ठाकरे सोमवार को मथुरा के ठाकुर श्यामा श्याम मंदिर का करेंगे उद्घाटन

मुंबई (एजेन्सी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे 27 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के शुभ दिन पर मथुरा

में प्रसिद्ध और नवीनींत पांच शताब्दी पुराने ठाकुर श्यामा श्याम मंदिर का उद्घाटन करेंगे। पार्टी की वरिष्ठ सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने यहां शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंदिरों के शहर की अपनी यात्रा के दौरान, ठाकरे जूनियर भगवान ष्ण के जन्मस्थान और बांके बिहारी मंदिर में भी प्रार्थना करेंगे और इस तीर्थ शहर में कुछ अन्य महत्वपूर्ण मंदिरों का दौरा करेंगे। चतुर्वेदी ने कहा, ठाकुर श्यामा श्याम मंदिर मथुरा में यमुना नदी के तट पर श्याम घाट पर स्थित है, जो 500 वर्षों से अधिक की समृद्ध विरासत से भरा हुआ है। मंदिर बहुत जीर्ण–शीर्ण स्थिति में था और उनसे एमपीएलएडी या सीएसआर से धन की मदद के लिए संपर्क किया गया था, लेकिन इन्हें ऐतिहासिक या सांस्ंतिक रूप से महत्वपूर्ण विरासत मंदिरों को बहाल करने के लिए इस्तेमाल करने से रोक दिया गया है। चतुर्वेदी ने टिप्पणी की, ''कई प्रयासों के बाद हमें मंदिर के पुनर्निर्माण में एन.आर. अल्लूरी के नागार्जुन फाउंडेशन का समर्थन मिला...। मुझे खुशी है कि मैं सांस्ंतिक और ऐतिहासिक महत्व वाले विरासत मंदिर के पुनर्निर्माण में सहायता करने में एक छोटी भूमिका निभा सकी।'' मंदिर के महत्व के बारे में बताते हुए सांसद ने कहा कि पुष्टि मार्ग के संस्थापक श्री वल्लभाचार्य (1479–1531 ई.) ने भगवान ष्ण के भक्ति आंदोलन को आगे बढ़ाने और ब्रज के बृज भाषा के प्रसार के लिए अष्ट–सखाओं को नामित किया था। नामित अष्ट–सखाओं में से एक, श्री चीत स्वामीजी ने इस मंदिर का निर्माण किया, जो अष्ट–सखा के युगल रूप को समर्पित है। इसका रखरखाव चीत स्वामी वंश (नाथद्वारा में बांके बिहारी की तरह) द्वारा किया गया है। यह प्रत्येक वैष्णव की 84 कोसी ब्रज यात्रा के पहले चरण का हिस्सा है। पुष्टिमार्ग परंपराओं में निहित यह मंदिर, जिसे वैष्णववाद के भीतर वल्लभ संप्रदाय के रूप में भी मान्यता प्राप्त है, रुद्र संप्रदाय की उप–परंपरा के रूप में एक अद्वितीय स्थान रखता है। चतुर्वेदी ने कहा, ष्यह गर्व और खुशी का क्षण है कि मंदिर अब पूरा हो गया है और पवित्र शहर मथुरा में एक सांस्ंतिक और ऐतिहासिक भूमिका निभाता रहेगा।

गोवा में नेतृत्व संकट का सामना कर रही कांग्रेस : मंत्री सुदीन धवलीकर

पणजी (एजेन्सी)। महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) के वरिष्ठ नेता और गोवा के ऊर्जा मंत्री सुदीन धवलीकर ने कहा है कि कांग्रेस के पास तटीय राज्य में कोई गुंजाइश नहीं है, क्योंकि वह नेतृत्व संकट का सामना कर रही है। यह विश्वास व्यक्त करते हुए कि भाजपा उम्मीदवार निश्चित रूप से दक्षिण गोवा से लोकसभा चुनाव जीतेंगे, धवलीकर ने कहा कि कांग्रेस से आए विधायकों के समर्थन से भी भगवा पार्टी को वोट पाने में मदद मिलेगी। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का समर्थन करने वाले धवलीकर ने कहा, ष्भाजपा उम्मीदवार पिछला चुनाव मुश्किल से 8,000 वोटों से हारे थे, उन्हें हार का सामना क्यों करना पड़ा, यह हर कोई जानता है। इस बार दक्षिण गोवा सीट (भाजपा) भारी बहुमत से जीतेगी।

धवलीकर ने कहा, ष्गोवा में कांग्रेस के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। पिछले साल उनके आठ विधायकों के भाजपा में शामिल होने के बाद राज्य में उनके पास नेतृत्व संकट है।ष

धवलीकर, जो अब भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में बिजली मंत्री हैं, कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों में भी मंत्री थे। एमजीपी ने 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी से हाथ मिलाया था, हालांकि ममता बनर्जी की पार्टी तटीय राज्य में एक भी सीट नहीं जीत सकी। धवलीकर को भाजपा सरकार के पिछले कार्यकाल (2017 से 2022) में कैबिनेट से हटा दिया गया था, जब उनके दो विधायक क्षेत्रीय पार्टी से अलग हो गए और भगवा पार्टी में शामिल हो गए। इसने वरिष्ठ राजनेता सुदीन धवलीकर को 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का समर्थन करने के लिए मजबूर किया, इससे पुरानी पार्टी के उम्मीदवार फ्रांसिस्को सरदिन्हा को भाजपा के तत्कालीन मौजूदा सांसद नरेंद्र सवाईकर को हराकर दक्षिण गोवा से जीतने में मदद मिली।

एसिड अटैक के दोनो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

महाराजगंज । जिले के भिटौली थाना क्षेत्र में हुए एसिड अटैक के दोनो

आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गए हैं। दोनों के पैर में गोली लगी है। इनका इलाज पुलिस की कड़ी निगरानी में जिला अस्पताल में चल रहा है।

बता दे कि महाराजगंज जिले के भिटौली थाना क्षेत्र में एक युवती पर एसिड से अटैक करने वाले दो अभियुक्त को पुलिस ने भिटौली थाना क्षेत्र के भैंसापुर गांव के पास मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। दोनों के पैर में गोली लगी है।

बताया गया है कि युवती की सादी तय होने से नाराज पूर्व प्रेमी ने एक साजिश के तहत अपने एक सहयोगी के साथ युवती पर एसिड अटैक कर दिया। परिणाम स्वरुप युवती झुलस गई। जिसका इलाज गोरखपुर में चल रहा है। इस मामले को पुलिस अधीक्षक महाराजगंज में काफी गंभीरता से लेते हुए जांच पड़ताल कर दो व्यक्तियों को चिन्हित किया और उनकी तलाश में 10 टीम में जुट गई। शुक्रवार की देर रात को पुलिस ने दोनों आरोपियों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया और पुलिस फायरिंग से दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी है। जिनका इलाज महाराजगंज जिले के अस्पताल में पुलिस की कड़ी निगरानी में चल रहा है।

भारत नेपाल के सोनौली सीमा पर फर्जी दस्तावेज के साथ दो विदेशी नागरिक गिरफ्तार

श्री गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में शुक्रवार को कस्बे में सिख समुदाय की ओर से गुरु ग्रंथ साहिब की अगुवाई में नगर कीर्तन भव्य शोभा यात्रा निकली गई। जिसका

विधायक नौतनवा ऋषि त्रिपाठी ने भव्य स्वागत किया और शुभकामनाएं दी।

प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में पूरा नगर 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' आदि गुरु वाणी से गूंज उठा। जगह–जगह समाज सेवियों द्वारा स्टाल लगाकर, फल, प्रसाद आदि का वितरण किया गया। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा नौतनवां से नगर कीर्तन शोभा यात्रा में गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी सजाई गई। पालकी के आगे महिलाओं के साथ साथ पुरुष पानी गिराकर झाड़ू लगाकर सफाई करते चल रहे थे। पालकी के साथ पंच प्यारे चल रहे थे। वहीं, सिख समुदाय के बच्चे विभिन्न प्रकार के परिधानों में कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे थे। अमृतसर से आई गतका पार्टी ने विभिन्न प्रकार के करतब दिखाकर सबको आकर्षित किया। गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा नौतनवां से निकलकर कस्बे के हनुमान चौक, पुराने नौतनवां, अटल चौक, घंटाघर चौराहा, अस्पताल तिराहा पर विधायक नौतनवा ऋषि त्रिपाठी ने गुरु ग्रंथ साहब की पालकी के साथ चल रहे लोगों का फूल माला पहनना पर स्वागत किया और स्वयं उनके शोभायात्रा में शरीक हो गए। शोभायात्रा जयहिंद चौराहा, गांधी चौक से होकर गुरुद्वारा लौटी। इस बीच सिख समुदाय द्वारा गुरु ग्रंथ साहिब की अगुवाई में निकाली गई नगर कीर्तन भव्य शोभा यात्रा का जगह–जगह स्वागत किया गया।

महराजगंज में नशीली दवाओं की खेप बरामद,नेपाल भेजने की थी प्लानिंग चार आरोपी गिरफ्तार

महराजगंज – नौतनवां थाना क्षेत्र के संपतिहां चौकी के पास वाहन चेकिंग के दौरान लगभग 5 लाख रुपए की प्रतिबंध नशीली दावाओं की खेप के साथ चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें 8 बोरी नशीली दवाएं बरामद कर छक्दै एक्ट के तहत मुकदमा पंजींत करते हुए पुलिस आगे की कार्यवाही में जुटी हुई है। बताया जा रहा है भारत नेपाल के अंतरराष्ट्रीय सीमा के समीप

स्थित नौतनवां थाना क्षेत्र के संपत्तियां चौकी के समीप वाहनों की संघन चेकिंग चल रही थी इसी बीच चेकिंग के दौरान चार अभियुक्त के पास से लगभग 5 लाख रुपए की नशीली दावाओं की खेप बरामद हुई। इनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जा रहा सीओ आभा सिंह ने बताया कि नशीले दवाओं के साथ पकड़े गए अभियुक्तों के खिलाफ कर्रवाई की जा रही है।

छठ घाटों पर उमड़ा भक्तो का जन सैलाब

भारत नेपाल के दोमुहाना पर बने छठ घाट पर सूर्य को अर्घ्य देती वर्ती महिलाएं

महराजगंज । नौतनवा – खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद से व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास

शुरू हो चुका है. आज शाम को व्रती बांस से बने दउरा में ठेकुआ, ईख, फल समेत अन्य प्रसाद लेकर नौतनवा कस्बे के डद्व राम मनोहर लोहिया डिग्री कलेज के पोखरे पर बने छठ घाट,दोमुहाना नदी पर बने छठ घाट,भुंडी मुहल्ले के पोखरे पर बने छठ घाट सहित अन्य जलाशयों में जाकर शाम के समय डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। आज शाम को वर्ती महिलाओं ने डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया मान्यता है कि सूर्य षष्ठी का व्रत आरोग्यता, सौभाग्य व संतान के लिए किया जाता है. मानसिक शांति व जीवन में उन्नति होती है।

केवल छठ में ही अस्ताचलगामी यानी डूबते सूर्य को अर्घ्य देने का प्रावधान है. ऐसी मान्यता है कि सायंकाल में सूर्यदेव और उनकी पत्नी देवी प्रत्युषा की भी उपासना की जाती है. जल में खड़े होकर सूप में फल, ठेकुआ रख कर अर्घ्य देने की परंपरा है।

इस पर्व की शुरुआत नहाय खाय के साथ होती है. इसके बाद खरना, अर्घ्य और पारण किया जाता है. इसमें विशेष तौर पर सूर्य देवता और षष्ठी देवी (छठ माता) की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इनकी पूजा से संतान प्राप्ति, संतान की रक्षा और सुख समृद्धि का वरदान मिलता है। चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व मुख्य तौर पर बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। त्योहार का सकुशल संपन्न कराने के लिए छठ घाटों पर पुलिस प्रशासन की कड़ी सुरक्षा लगाई गई है।

नेपाल के सिद्धार्थनगर नगर पालिका में उद्योग व्यापार मेला की शुरुआत

नेपाल। नेपाल के सिद्धार्थनगर नगर पालिका मैं उद्योग व्यापार मेला की शुभारंभ किया गया जिसमें सिद्धार्थनगर नगर पालिका के लोग बढ़ चढ़कर हिस्सा लिए और सभी स्कूल के तरफ से रैली निकल गया भौरहवा देवकोटा चौक से नाचते गाते हुए अंचलपुर मेले में पहुंचे जो कि मेला 22 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलेगा।

कोल्हुई पुलिस द्वारा "दो लग्जरी वाहनों में" तस्करी के लिए ले जाया जा रहा "88.5 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ" चरस के साथ 03 व्यक्तियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है

कोल्हुई पुलिस द्वारा "दो लग्जरी

वाहनों में" तस्करी के लिए ले जाया जा रहा "88.5 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ" चरस के साथ 03 व्यक्तियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। खबरों के मुताबिक मुखबिर की सूचना पर दो लग्जरी वाहनों से करीब 50 करोड रुपए कीमत का चरस बरामद किया। पकड़े गए दो व्यक्ति गोरखपुर के तो एक शाहजहां का निवासी बताया गया हैं। दोनों गाड़ियां एक लखनऊ तो एक गाजियाबाद की हैं। पकड़े गए तीनों व्यक्ति करियर के रूप मे कार्य कर रहे थे इन्हें घ्20000 प्रति किलो दिल्ली चरस पहुंचने पर फायदा मिलता। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

clash over land dispute jolts Deoria town; constable injured

According to officials the dispute over a piece of land had been brewing

between Gireesh Chand DiÛit and Kamlesh Chand-

GORAKHPUR The Bhatpar Rani town in Deoria district was jolted by a firing incident followed by a clash between two groups on Thursday morning all stemming from a heated land dispute-

Bhatpar Ranis circle officer PN Tiwari confirmed the incident and said that the chowkidar constable½ who sustained bullet injuries during the firing is currently receiving treatment at Maharishi Devaraha Baba Medical College in Deoria and is reported to be out of danger-

According to officials the dispute over a piece of land had been brewing between Gireesh Chand DiÛit and Kamlesh Chand- The situation escalated on Thursday after the Diwali celebrations when Gireesh Chand a resident of Deoria was returning from his village- He was ambushed by a group of siÛ motorcycle&borne assailants-

In a desperate attempt to rescue his father from the assault Gireesh Chands son witnessing the ongoing attack fired a shot into the air- Accidentally the bullet struck a chowkidar who was on duty-

Police promptly took Gireesh Chands son into custody and admitted his injured father to Deoria district hospital- CO PN Tiwari confirmed that an official inquiry into the case has been initiated and security measures around the village have been intensified- The authorities are working to bring resolution and maintain peace in the wake of this unsettling incident-

Gorakhpur&LucknowVande Bharat to soon get eÛtended to Prayagraj; in&principle nod received

The proposed schedule outlines that the Vande Bharat EÛpress will depart from Lucknow at 10:35 am after arriving from Gorakhpur reaching Prayagraj at 1:35 pm-

PRAYAGRAJ: The long wait for a superfast train between Prayagraj and Lucknow is finally set to get over- The Prayagraj division of the North Central Railway NCR½ has received ^in&principle approval from the Railway Board to eÛtend the run of Vande Bharat EÛpress currently running between Gorakhpur and Lucknow till Prayagraj Junction according to railway officials-

The proposed schedule outlines that the Vande Bharat EÛpress will depart from Lucknow at 10:35 am after arriving from Gorakhpur reaching Prayagraj at 1:35 pm- On its return journey the train will leave Prayagraj at 3:15 pm and arrive in Lucknow at 6:15 pm- For the onward journey the train will depart from Lucknow at 6:30 pm reaching Gorakhpur at 10:40 pm approÛimately 40 minutes earlier than its current arrival time-

The commencement date of the eÛtended route will be determined at the zonal level- Additionally the train will make a brief stop at Rae Bareli railway station during its run- Although the proposed schedule does not specify the stoppage duration at Rae Bareli station this detail will be finalized soon- The decision regarding the start date of the eÛtended route operation will be made within a week at the zonal level officials noted-

HimanshuShekharUpadhyay Chief Public Relations Officer CPRO½ of NCR stated ÞWe have received in&principle approval to eÛtend the run of Vande Bharat EÛpress between Gorakhpur and Lucknow to Prayagraj Junction and the train will commence its operation on the eÛtended route soon-ß

Currently the Intercity EÛpress takes 4-05 hours for the journey from Prayagraj to Lucknow while other trains such as Bareilly&Prayagraj Ganga Gomti EÛpress and Nauchandi EÛpress take 4-10 hours- The eÛtended run of Vande Bharat EÛpress is eÛpected to save passengers approÛimately an hour of travel time between Prayagraj and Lucknow-

ED attaches property worth ?72 crore of U-P- e&MLA Vinay Shankar Tiwari] his kin

ED initiated the investigation on the basis of the FIR registered by CBI AC&V New Delhi against M/s Gangotri Enterprises Ltd properties attached hereby are spread across many cities of Uttar Pradesh- Hari Shankar Tiwari died at the age of 89 in May earlier this year- The press note said the

and its promoters directors and guarantors

The Enforcement Directorate ED½ has attached 27 immovable properties worth ?72-08 crore in Lucknow Maharajganj and Gorakhpur districts belonging to accused promoters directors and guarantors of M/s Gangotri Enterprises Ltd under the provisions of the Prevention of Money Laundering Act PMLA½ 2002 ED officials confirmed here on Friday-

As per the ED press note shared with the media the properties attached are registered in the name of the late U-P- cabinet minister Hari Shankar Tiwaris son and former MLA from Gorakhpurs Chillupar seat Vinay Shankar Tiwari his family members and relatives who are directors promoters and guarantors in the company-

The press note further said the immovable ED initiated the investigation on the basis of the FIR registered by CBI AC&V New Delhi against M/s Gangotri Enterprises Ltd and its promoters/directors/ guarantors-

The probe revealed that M/s Gangotri Enterprises Ltd in collusion with its promoters directors and guarantors fraudulently availed credit facilities to the tune of ? 1129-44 crore from consortium of seven banks lead by the Bank of India-

It was further revealed that the said credit facilities were not repaid and grossly diverted and misappropriated by M/s Gangotri Enterprises Ltd- and its promoters directors and guarantors in violation of banking norms causing wrongful loss to the tune of ?754-24 crore to the consortium of banks- The officials said further investigation was in progress-

BJP meet in Azamgarh: Strengthen party at every booth

UP BJP secretary organisation½ Dharampal Singh was addressing a joint meeting of office&bearers of the BJP Kashi and Gorakhpur region

UP BJP secretary organisation½ Dharampal Singh on Tuesday asked BJP workers to strengthen the party at every booth to make NarendraModi the prime minister of the country for a third consecutive time-

Singh was addressing a joint meeting of office&bearers of the BJP Kashi and Gorakhpur region in Azamgarh regarding LokSabha elections 2024-

He said that a special campaign will be run under the voter awareness programme from November 25 to December 3- All preparations for it should be completed by November 24 by holding meetings at the district assembly constituency and Shakti Kendra levels-

On November 26 party workers will first listen to Prime Minister NarendraModis ^Mann Ki Baat and will eÛamine the voter list at the counter outside the booths-

Earlier Singh reviewed the progress of the voter awareness drive district&wise-

State vice&president/ MLC Manvendra Singh in&charge of the campaign as the special guest called for everyone to work diligently to make the voter awareness campaign a success-

Ghats prepared] security amped up in Gorakhpur for Chhath Puja rituals

All designated ghats in Gorakhpur division are ready for Chhath Puja celebrations with lighting arrangements and security

measures in place- Over 200 temporary ponds have been created to facilitate the rituals- Police intervened in a scuffle at Hanuman Ghat- Security measures have been taken at railway stations including regular checks every eight hours- Chhath is a four&day festival dedicated to the worship of the sun-

GORAKHPUR As Gorakhpur gears up for the Chhath Puja all designated ghats along the Rapti Rohni and Gandak rivers as well as other water bodies in the Gorakhpur division stand ready to embrace thousands of devotees who will participate in the traditional SandhyaArghya and Chhath Puja rituals on Sunday-

In a meticulous prelude to the grand celebrations divisional commissioner Anil Dhingra accompanied by district magistrate Krishna Karunesh ADG Akhil Kumar and SSP Gaurav Grover undertook an eÛtensive inspection of all designated ghats on Saturday- Their focus encompassed reviewing the lighting arrangements and ensuring foolproof security measures-

The vigilance of law enforcement is particularly pronounced around key ghats such as Ram Ghat Raj Ghat Guru GorakhnathGhat Human GadhiMansarovar at Gorakhnath temple and Surajkund- Notably over 200 temporary ponds have been strategically created in Shahpur Rapti Nagar Padri Bazar and Vishnupuram colony to facilitate the sacred rituals- District disaster management officer Gautam Kumar reported that a dedicated team of 260 boatmen and 170 divers is on high alert with two sections of PAC jawans stationed at the ghats to ensure safety- Municipal corporations eÛecutive engineer ND Pandey shared that 349 water bodies have been arranged across all 80 wards- The lighting arrangements have been completed complemented by the installation of barricades near the ghats-

Despite the overall preparedness the police had to intervene to control a situation at Hanuman Ghat on Friday afternoon when two groups engaged in a scuffle over the possession of an area for performing puja- SP Government Railway Police ¼GRP½ Awadhesh Kumar Singh highlighted the security measures taken at railway stations- A special search operation was conducted at midnight in Gorakhpur and other railway station platforms with regular checks scheduled every eight hours over the neÛt siÛ days- Significantly Chhath a four&day festival celebrated with great fervour in Bihar and eastern Uttar Pradesh is dedicated to the worship of the sun and is deeply intertwined with the theme of purity-

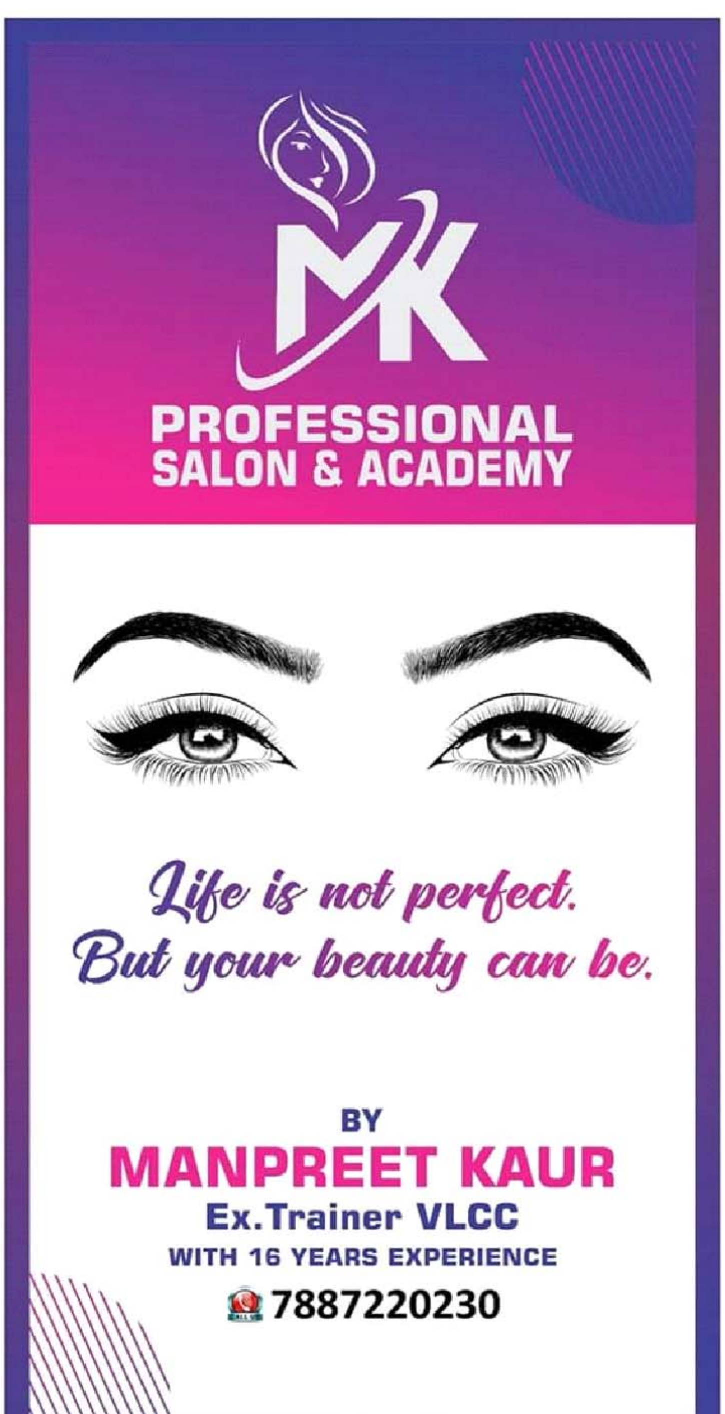

Title Intensive search launched for nayabtehsildar accused of molesting colleague

However efforts to d e t a i n nayabtehsildarGhanshyam Shukla at his official residence proved

unsuccessful on Monday evening-

GORAKHPUR In the aftermath of a video depicting the victim of an alleged molestation and attempted killing by a nayabtehsildar going viral district authorities in Basti initiated a comprehensive search operation on Monday night to arrest the accused said police officials-

However efforts to d e t a i n nayabtehsildarGhanshyam Shukla at his official residence proved unsuccessful on Monday evening- Despite this setback the police team according to cops eÛtensively interrogated his wife and other relatives yielding vital clues in the process- District magistrate B a s t i A n d r a V a m p s i confirmed that a three&member probe committee had submitted its report to the district authorities- The report is currently under review and necessary actions will be taken based on its findings-

The victim a nayabtehsildar herself brought the case to light on November 17th at BastiKotwali accusing Ghanshyam Shukla of misbehaviour attempted molestation and issuing threats to her life- In a video that surfaced on social media on Sunday afternoon the victim accused district authorities of downplaying the severity of the case due to vested interests and appealed to chief minister Yogi Adityanath for justice and the arrest of the accused-

Sources reveal that the probe report has been forwarded to senior officials disclosing that both the victim and the accused were acquaintances who had shared a meal at a hotel on the day of the incident- Importantly a third person was reportedly present at the scene forming a crucial aspect of the ongoing investigation- According to the report this third man is a resident of Balrampur where the victim was previously deployed- Efforts are on to identify and trace him said police- The incident has triggered a wave of condemnation on social media with SP chief AkhileshYadav and BJP MLC DevendraPartap Singh questioning the state government and district authorities over their handling of the case- SP BastiGopal Krishna assured that the victims statement had been registered a case filed and an inquiry initiated along with the collection of evidence- However concerns were raised regarding the delayed registration of the case as the victim detailed the traumatic events of November 12th including forced entry into her flat torn clothes and threats- DM Vampsi has constituted a three&member probe committee consisting of CO Rudauli PD DUDA and the eÛecutive officer of Munderwa Town area to investigate the matter thoroughly-

ED books tainted Gorakhpur railway official

The now&suspended principal chief materials officer of the North Eastern Railway in Gorakhpur KC Joshi has been booked by the Enforcement Directorate ED under the Prevention of Money Laundering Act PMLA

Arrested only months ago by the CBI in a corruption case a senior railway official in Gorakhpur is now under the scanner of another central agency for alleged money laundering-

The now&suspended principal chief materials officer of the North Eastern Railway in Gorakhpur KC Joshi has been booked by the Enforcement Directorate ED under the Prevention of Money Laundering Act PMLA

On September 12 Joshi was arrested by the anti&corruption wing of the Central Bureau of Investigations CBIs Lucknow unit for allegedly taking a bribe of ?3 lakh from a contractor-

मनोरंजन

मीराबाई पर नृत्य नाटिका देखकर सुधबुध खो बैठे दर्शक

मीराबाई की ५२५वीं जयन्ती पर जानी मानी सिने कलाकार हेमामालिनी ने ष्ण भक्त मीरा के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जिसके कायल सैकड़ो दर्शक बने।

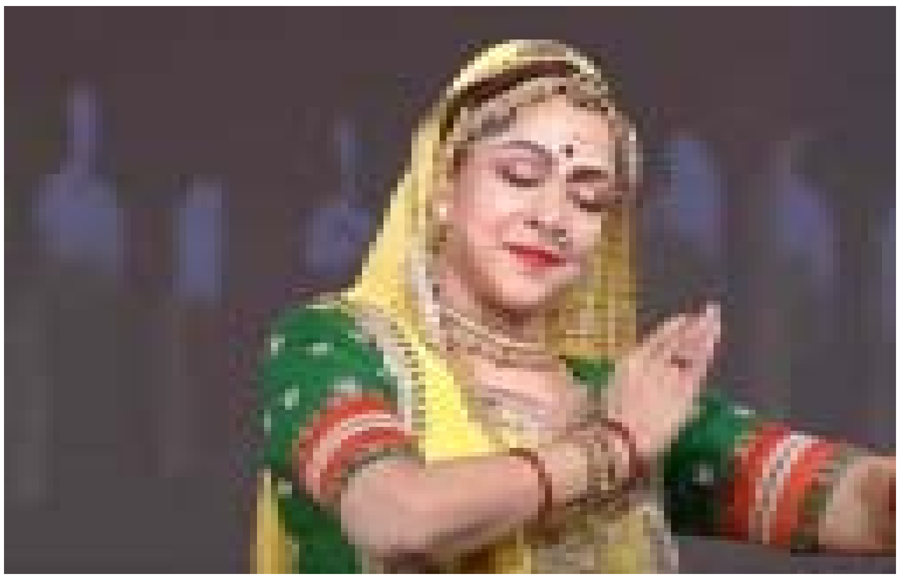

नृत्यांगना हेमा मालिनी एवं उनके दल के कलाकारों ने न केवल समा बांध दिया। हेमा ने मीराबाई की भूमिका निभायी। नृत्य, ताल और संगीत की त्रिवेणी के मध्य इस नृत्य नाटिका का प्रदर्शन इतना प्रभावी था कि कुछ क्षणों मे दर्शकों के नेत्र सजल हो गए। ऐसा लग रहा था कि यह नृत्य नाटिका न होकर १६वीं शताब्दी का वह इतिहास दुहराया जा रहा है जिसमें मीरा को ष्ण भक्ति से विमुख करने के लिए उन पर तरह तरह के अत्याचार किये जा रहे हैं। ब्रज रज उत्सव के अन्तर्गत ही आयोजित की गई त्रिदिवसीय मीराबाई जयन्ती में आयोजित नृत्य नाटिका की शुरूवात गणेश वन्दना से हुई तो वातावरण भक्ति रस से सराबोर हो गया। आठ वर्ष की मीरा ने श्रींष्ण को अपना पति माना तो प्रताड़ना पर प्रताड़ना मिलने के बावजूद वे नही डिगी। नृत्य नाटिका में विरोधा के बावजूद जोधपुर के राठौर रतन सिंह की पुत्री मीरा का विवाह महाराणा सांगा के पुत्र भोजराज (जो बाद में महाराण कुभा के नाम से मशहूर हुए) से करने के श्य को इस प्रकार से प्रस्तुत किया गया कि सभी की सदभावना मीरा के साथ हो गई। विवाह के बावजूद मीरा ष्ण प्रेम के प्रति किस प्रकार अडिग रहीं इसका प्रस्तुतीकरण भजन ''मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई। जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई।'' से बहुत सुन्दर तरीके से नृत्य नाटिका में मीरा की भूमिका अदा कर रहीं हेमा मालिनी ने प्रस्तुत किया ।पग घुघरू बांधि मीरा नाची रे, मै दुल्हन बन कान्हा के साथ रास रचा बैठी,मै तो गिरधर के घर जाऊं,ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन आदि गीतों की प्रस्तुतीकरण ने नृत्य नाटिका को बहुत अधिक प्रभावशाली बना दिया। नृत्य नाटिका में विभिन्न आरोपों से घिरी मीरा को जब जहर का प्याला पीने को दिया गया और जब मीरा ने उसे पिया तो उसके बाद कुछ समय तक उनकी परेशानी देखकर दर्शकों के नेत्र सजल हो गए। आरोपों से परेशान होकर मीराबाई घर छोड़कर वृन्दावन आईं और यहां १५साल तक रहीं तथा बाद में गुजरात गईं और गोलोकवासी बनी। इस नृत्य नाटिका का इतना जीवन्त मंचन किया गया कि दर्शकों में से कुछ यह कहते सुने गए कि इसका मंचन एक बार पुनः देखने की उनकी इच्छा है। गुरूवार बह हेमा ने वृन्दावन के मीराबाई मन्दिर में जाकर भावांजलि अर्पित की तो उनके भाई के पौत्र देव चक्रवर्ती ने भावमय तरीके से इसी मन्दिर में मेरे तो गिरधर गोपाल की प्रस्तुति कर दिखा दिया कि इस युवा कलाकार के अन्दर कितनी प्रतिभा छिपी हुई है।

शहजादा धामी ने ये रिश्ता क्या कहलाता है मिलने पर अपनी मां की प्रतिक्रिया बताई

ये रिश्ता क्या कहलाता है में भूमिका मिलने पर अभिनेता शहजादा धामी ने अपने परिवार की प्रतिक्रिया के बारे में खुलेकर बात की। उन्ध्होंने बताया कि कैसे उनकी मां उन्ध्हें भूमिका निभाते हुए देख उत्साहित हो गईं। ये जादू है जिन का, शुभ शगुन और छोटी सरदारनी जैसे टीवी शो में अहम भूमिका निभाने के बाद शहजादा ये रिश्ता क्या कहलाता है में अरमान का किरदार निभा रहे हैं।

अपने परिवार की प्रतिक्रिया के बारे में बात करते हुए, शहजादा ने कहा, न तो मेरे परिवार और न ही मेरे दोस्तों को पता था कि मैं यह शो करने जा रहा हूं, क्योंकि मैं ऐसा होने से पहले चीजों की घोषणा करने में विश्वास नहीं करता हूं। उन्होंने कहा, प्रोमो शूट करने के बाद मैंने अपनी मां को फोन किया और उन्हें बताया कि मैं यह शो कर रहा हूं। वह बहुत खुश थी क्योंकि उन्होंने यह शो पहले भी देखा था और अब जब मैं मुख्य भूमिका निभा रहा हूं तो वह बहुत उत्साहित हैं।

उन्होंने बाद में मुझे फोन किया और कहा कि मैं हर एपिसोड देख रही हूं, और मैं उनकी दैनिक प्रतिक्रिया का इंतजार करता हूं। प्रतिष्ठित शो और अपनी भूमिका के बारे में जानकारी साझा करते हुए उन्होंने कहा, मैंने इस शो को बचपन से देखा है क्योंकि मेरा परिवार इसे देखता था। ईमानदारी से कहूं तो, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं इस शो का हिस्सा बनूंगा। आगे कहा, जब भूमिका की पेशकश की गई तो मैं म क शूट के लिए गया। मैं आश्वस्त था लेकिन थोड़ा घबराया हुआ भी था। हालांकि मुझे लगता है कि मैंने अच्छा प्रदर्शन किया। अंत में सभी को यह पसंद आया। यह विशेष अहसास कि हां, मैं राजन शाही के शो में मुख्य भूमिका के रूप में काम कर रहा हूं। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

इवेंट में फटे जूते पहनकर पहुंचे सलमान खान, वायरल हुआ वीडियो

ब लीवुड के भाईजान सलमान खान को हाल ही में एक इवेंट में फटे हुए जूते पहने देखा गया, जिसने नेटिजन्स का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। वायरल फोटो में सलमान ब्लैक फ र्मल शर्ट और मैचिंग पैंट पहने हुए है, लेकिन सलमान के फैंस का ध्यान जिस चीज ने खींचा वो थे उनके फटे हुए काले जूते। जूम की हुई उनकी जूतों की तस्वीर कुछ ही समय में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। फैंस ने अपने रिएक्शन देना शुरू कर दिया, और लिखा अमीर इतना बनो कि... जो तुम फटा हुआ पहनो तो लोग बुराई नहीं इसे सादगी कहें। दूसरे ने मजाकिया तौर पर कमेंट में कहा, इसकी कीमत १.७ लाख है। एक अन्य ने कहा, रिलेक्स दोस्तों, यह एक नया फैशन लाने की कोशिश कर रहे हैं। सलमान की नवीनतम फिल्म टाइगर ३ वाईआरएफ के आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित और मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित है। फिल्म फिलहाल ताबड़तोड़ कमायी कर रही है।

मनीष मल्होत्रा ने घर पर रखी पार्टी, करीना, करिश्मा और करण ने बिखेरा जलवा

ब लीवुड की स्टार बहनें करीना कपूर खान और करिश्मा कपूर को मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के घर पर एक साथ देखा गया। कपूर सिस्टर्स के साथ उनके सबसे अच्छे दोस्त और फिल्म निर्माता करण जौहर भी शामिल हुए। मनीष के हाउस नंबर ३ में कैजुअल गैदरिंग के लिए, करीना ने ब्लैक कलर का टैंक टप के साथ मैचिंग कार्गो पैंट पहनीं, और एक ओवरसाइज्ड ब्लू चेकर्ड शर्ट के साथ लुक को पूरा किया। उन्होंने पैरों के लिए ब्राउन बूट्स चुने और अपने बालों को खुला रखा। वहीं करिश्मा ने हाफ स्लीव्स ग्रीन प्रिंटेड ड्रेस के साथ ब्लैक क्र स ब डी बैग कैरी किया था। एक हाथ में कंगन और एक घड़ी के साथ, लोलो ने बिना मेकअप और खुले बालों के साथ नेचुरल लुक भी चुना।करण ने ट्रांसपेरेंट शेड्स के साथ अ ल ब्लैक आउटफिट पहना था। मनीष ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने मेहमानों के साथ हैप्पी सेल्फी शेयर की। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दियारू ष्कल रात घर पर हम सभी हैशटैग फ्रेंड्स फ रएवर पोज दे रहे है करीना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर सेल्फी शेयर की और लिखा कंफर्ट एंड लव इस बीच, वर्कफ्रंट की बात करें तो, करीना की अगली फिल्म द क्रू और सिंघम अगेन पाइपलाइन में हैं।

इस वजह से बच्चों को होती है पेशाब आने में दिक्कत, पैरेन्टस अजमाएं ये नुस्खा

बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए उन्हें खास देखभाल की जरुरत होती है क्योंकि उन्हें कुछ न कुछ समस्याएं होने लगती हैं कभी बच्चों को ज्यादा पेशाब आने लगता है तो कभी उन्हें

पेशाब आने में दिक्कत होती हैं छोटे होने के कारण बच्चे परेशानी बता भी नहीं पाते लेकिन उनके शरीर में ऐसे कई संकेत दिखते हैं जिससे आप परेशानी को समझ सकते हैं जैसे बच्चे ज्यादा पेशाब आने के कारण परेशान होते हैं वैसे ही वह कम पेशाब आने के कारण भी परेशान हो सकते हैं तो चलिए आपको बताते हैं कि बच्चों को पेशाब न आने के कारण क्या है और आप उनकी यह समस्या कैसे दूर कर सकते हैं.....

क्यों नहीं आता बच्चों को पेशाब?

पानी की कमी के कारण

बच्चे के शरीर में पानी की कमी के कारण भी उन्हें पेशाब आने में परेशानी हो सकती हैं बच्चों को उल्टी, दस्त या किसी अन्य रोग में पानी की कमी होने पर भी यह समस्या उन्हें हो सकती हैं

यूरिनेरी टैक्ट में परेशानी होने के कारण

बच्चे के मूत्र मार्ग में रुकावट तब होती है जब उसकी किडनी से पेशाब बाहर नहीं आतां यह समस्या बच्चे की एक या फिर दोनों किडनियों को ध्भावित कर सकती हैं इस समस्या में बच्चे को पेशाब न आने या फिर पेशाब बाहर आने में भी समस्या हो सकती हैं

दवाई लेने के कारण

कई मालमों में यदि बच्चे पहले से ही दवाई ले रहे हो तो उसके ध्भावों के कारण भी बच्चों को पेशाब आने में परेशानी हो सकती हैं हाई ब्लड ध्र्शर की दवाई, ड्डूरेटिक्स और एंटीइंऽलेमेटत्रे दवाई के कारण उन्हें यह परेशानी हो सकती हैं

हींग करें इस्तेमाल

बच्चों को पेशाब न आने पर आप कुछ घरेलू नुस्खे भी अपना सकते हैं बच्चा दो साल से ज्यादा है और उसको ये परेशानी हो रही है तो इस स्थिति में आप उसकी नाभी पर भिगी हुई हींग को रुई की मदद के कुछ देर के लिए रख दें ध्यान दें कि हींग का ज्यादा इस्तेमाल न करें क्योंकि इससे भी कई तरह के नुकसान होते हैं थोड़ी सी हींग को रुई में लगाएं इस उपाय को करने से उन्हें यदि आराम मिलेगां यदि फिर भी बच्चे की समस्या दूर न हो तो एक बार डॉक्टर को जरुर दिखाएं

अखरोट खाकर करें यूरिक एसिड पर कंट्रोल, बिना दवाई के ही रोग होगा छूमंतर

बहुत से लोगों के मुंह से आपने ये बात सुनी होगी कि उनकी एड़ियों और जोड़ों में लगातार दर्द रहता है लेकिन ये दर्द किन वजहों से रहता है, क्या आप इसका कारण जानते हैं? इस

दर्द की वजह शरीर में कमजोरी भी हो सकती है और यूरिक एसिड भीं चलिए आपको यूरिक एसिड के बारे में ही बताते हैं

यूरिक एसिड की समस्या शुरू कब होती है?

जब किडनी, शरीर में बनने वाले यूरिक एसिड को ठीक से फिल्टर कर यूरिन के रास्ते बाहर नहीं कर पाती और ये एसिड जोड़ों में ही जमा होने लगता हैं इसी के चलते जोड़ों में दर्द और पैरों में सूजन दिखने लगती हैं अगर यूरिक एसिड कंट्रेल ना हो तो यह गठिया बन जाता हैं इस रोग की वजह भी खराब लाइफस्टाइल ही हैं अगर आप जरूरत से ज्यादा ध्रोटीन ले रहे हैं तो सारा लेवल गड़बड़ा जाएगां इसके अलावा जंक फूड खाना, पानी कम पीना और फिजिकल एक्टिविटी ना करना आदि इस वजह से भी यूरिक एसिड का लेवल बढ़ता हैं

यूरिक एसिड को देसी नुस्खों से करें कंट्रेल

यूरिक एसिड का लेवल कंट्रेल करने के लिए लाइफस्टाइल को हैल्दी बनाएं एक्सपर्ट्स के अनुसार, कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से आप यूरिक एसिड को कंट्रेल में कर सकते हैं इसके लिए गिलोय के पत्तों का इस्तेमाल करें आप गिलोय का पानी उबाल कर पी सकते हैं

अखरोट से करें कंट्रेल

अखरोट भी इसे कंट्रेल में रखता हैं इसमें ओमेगा–3 भरपूर होता हैं इसमें एंटी–इंऽलेमेटरी गुणों के साथ–साथ विटामिन बी6, कॉपर, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम जैसे कई पोषक तत्व भी पाए जाते हैं अखरोट में हैल्दी ध्रोटीन भरपूर होता है जो घुटनों में जमे यूरिक एसिड के स्ि्टल्स को बाहर निकालने का काम करता हैं दिन के 2 से 3 अखरोट खाने से आपको फायदा होगां आप सलाद में डालकर, स्मूदी और शेक में डालकर इसका सेवन कर सकते हैं अगर अखरोट की तासीर गर्म लगती हैं तो आप इसे पानी में भिगोकर खा सकते हैं इससे यूरिक एसिड तो कम होगा ही साथ ही में यह दिल और दिमाग दोनों के लिए फायदेमंद हैं यह तनाव को कम करता है और इम्यूनिटी को स्टत्रंगं

यूरिक एसिड हैं तो क्या करें और क्या नहीं

30 मिनट हल्की–फुल्की एक्सरसाइज जरूर करें

8–10 गिलास भरपूर पानी पीएं

हरी सब्जियों का जूस पीएं

रात का खाना जल्दी खाएं

8 घंटे की नींद लें

स्टत्रेस लेने से बचें

योग व मेडिटेशन जरूर करें

एल्कोहल–सिगरेट का सेवन ना करें

ज्यादा नॉनवेज जैसे रेडमीट खाने से बचें

हाई ध्रोटीन चीजें जैसे राजमाह, मटर, चने और छिलके वाली दालों का सेवन डिनर में ना करें

बार-बार खट्टी डकार आने के कारण हो गए हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

बढ़ता तनाव और खराब लाइफस्टाइल कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहा हैं ओवरइटिंग, ज्यादा मसालेदार खाना खाने, समय पर न खाने और ज्यादा

टेंशन लेने से भी अक्सर लोगों को बदहजमी की शिकायत होने लगती हैं इसके अलावा भोजन भी अच्छी तरह से पच न पाने के कारण भी लोगों को बदहजमी की शिकायत रहती है और खट्टी डकार आने लगते हैं जिसके कारण पूरा दिन खराब हो जाता हैं ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर बदहजमी की समस्या से राहत पा सकते हैं आइए जानते हैं इनके बारे में.....

मेथी

यदि आपको खट्टी डकार की समस्या रहती है तो आप मेथी का इस्तेमाल कर सकते हैं इसके लिए मेथी को रात भर पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट इसका पानी पीएं इससे खट्टी डकार की समस्या से राहत मिलेगीं रोजाना इस नुस्खे का इस्तेमाल करने से आपको फर्क नजर आने लगेगां

लौंग

इसका सेवन करने से भी पाचन तंत्र एकदम स्वस्थ रहता हैं यदि आपको खट्टी डकार की समस्या रहती है तो आप लौंग का पानी या फिर लौंग का सेवन करें इससे आपको फायदा मिलेगां

इलायची

खट्टी डकार की समस्या में इलायची का सेवन भी आपके लिए फायदेमंद हो सकता हैं इसका सेवन करने से गैस और खट्टी डकार जैसी समस्या में आराम मिलेगां

हींग

बदहजमी से राहत पाने के लिए हींग भी बेहद फायदेमंद मानी जाती हैं गैस या फिर खट्टी डकार में हींग का सेवन करने से आपको फायदा होगां हींग को पानी में घोटकर पीएं इससे पेट का भारीपन और खट्टी डकार की समस्या दूर होगीं

जीरा

जीरा भी पेट की समस्याओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं खट्टी डकार, गैस या बदहजमी होने पर जीरे को भूनकर इसका सेवन करें भूनकर इसके बाद इसे पीसकर पानी में डालकर पीने से भी बदहजमी की समस्या में राहत मिलेगीं

पेट की बढ़ती चर्बी को न करें इग्नोर, इस खतरनाक बीमारी के हो सकते हैं शिकार

बदलते लाइफस्टाइल और गलत खान–पान की आदतों के कारण मोटापे से कई लोग जूझ रहे हैं यह एक ऐसी समस्या है जो अकेले नहीं आती क्योंकि इसके साथ व्य० को कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ता है जैसे हाई ब्लड ध्र्शर, डायबिटीज, हार्ट डिजीज जैसी गंभीर बीमारियों का कारण मोटापा बनता हैं हाल ही में हुई एक रिसर्च में इन बीमारियों के अलावा भी एक बीमारी का नाम मोटापे के साथ जुड़ गया हैं रिसर्च में यह बात सामने आई है कि यदि आप 40–50 की उम्र के आस–पास हैं और आपका पेट भी निकल रहा है यानी की पेट पर चर्बी चढ़ रही है तो आगे चलकर यह समस्या आपको अल्जाइमर डिजीज का शिकार बना सकती हैं

बढ़ता हुआ पेट बनता है अल्जाइमर का कारण

जर्नल ऑफ एडिज एंड डिजीज में ध्काशित हुई इस रिसर्च के अनुसार, 40–50 साल की उम्र में बड़ी हुई तोंद अल्जाइमर के रिस्क को बढ़ाती हैं अल्जाइमर भूलने की एक बीमारी है जिसमें इंसान को रोजाना की चीजें याद रखने में भी मुश्किल होती हैं इसमें व्य० को अपने रोजमर्रा के कार्य करने में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता हैं अल्जाइमर की बीमारी बुजुर्गों में मुख्य तौर पर देखी जाती है और 60 साल की उम्र के बाद इसके केस ज्यादा आते हैं इस बीमारी से पीड़ित व्य० हमेशा एक भ्रम की स्थित में रहता हैं बढ़ती उम्र के साथ इस डिजीज के लक्षणों में भी इजाफा होता रहता है और गंभीर स्थिति में व्य० अपने रोजमर्रा के काम ही भूल जाता हैं

रिसर्च में क्या आया सामने

इस रिसर्च के अनुसार, मस्तिष्क की कार्यध्णाली और पेट पर बढ़ रहे फैट के बीच गहरा संबंध पाया गया हैं रिसर्च में कहा गया है कि जैसे–जैसे पेट का आकार बढ़ता है वैसे–वैसे मस्तिष्क में मौजूद मेमोरी सेंटर छोटा होता है यानी की पेट की चर्बी बढ़ने से ब्रेन के फंक्शन पर असर पड़ सकता हैं इसी कारण न्यूरोलॉजिकल समस्याएं होती हैं जो बाद में अल्जाइमर बीमारी का कारण बन सकती हैं ऐसे में यदि आपकी उम्र 40 और 50 के बीच है और पेट पर फैट बढ़ रहा है तो इसे हल्के में न लें और इसको कम करने की कोशिश करें यदि आपको अल्जाइमर के लक्षण दिख रहे हैं तो तुरंत न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर से संपर्क करें इस मामले में लापरवाही न करें

अल्जाइमर के लक्षण

.अपनी बात समझाने के लिए सही शब्द ढूंढने में परेशानी होना

. अपनी चीजों को कहीं रखकर भूल जाना या खो देना

. किसी बात की योजना या विचार बनाने में परेशानी होना

. समस्या सुलझाने में परेशानी होना

. अपने दिनचर्या के कार्य पूरे करने में समय लगना

. परिचित व्य० को पहचानने में भी मुश्किल होना

उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे मजदूर जल्द ही लेंगे खुली हवा में सांस

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। सरकार ने कहा है कि उत्तरकाशी की सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए बहुत सावधानी से लगातार काम चल रहा है और उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्द ही श्रमिक खुले में सांस ले सकेंगे। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधान प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य तथा लेफ्टीनेंट जनरल सैय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत) ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सुरक्षा एजेन्सी श्रमिकों तक पहुंचने के काम में जुटी हैं और जो थोड़ी बाधा आयी है उसे दूर कर लिया जायेगा। उन्होंने उम्मीद जतायी कि बचाव कार्य जल्द शुरू हो जायेगा जिसके बाद श्रमिक खुली हवा में सांस ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि सभी एजेन्सी अपना कार्य मुस्तैदी से कर रही हैं जिससे कि आपरेशन को पूरा करने में आने वाली दिक्कतों का तुरंत निराकरण किया जा सके। उन्होंने कहा कि अभी श्रमिकों के पास पहुंचने के लिए जो पाइप लगाया जा रहा है वह श्रमिकों से करीब 15 मीटर दूर है। यह पाइप मुड़ गया था और उसको आगे बढाने के लिए रात को उसे काटने का काम किया गया। इसकी मरम्मत कर पाइप को अंदर ले जाने के लिए जल्द ही दोबारा काम शुरु होने की उम्मीद है।

लेफ्टीनेंट जनरल ने कहा कि एक रडार लगाया गया है जिससे जमीन के अंदर पांच मीटर तक देखा जा सकता है। इसके जरिए अड़चनों को दूर किया जा रहा है। आपरेशन के लिए यह सकारात्मक प्रगति है और श्रमिकों के बाहर निकलने की सटीक समय सीमा का निर्धारण अभी नहीं किया जा सकता है। देश के विभिन्न राज्यों की सरकार इसमें अपना यथा संभव सहयोग कर रही है। अभियान से जुड़े तकनीकी अधिकारी विशाल चौहान ने कहा कि अभियान के दौरान इस बात पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है कि फंसे हुए मजदूरों तक बराबर भोजन पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि बचाव अभियान में श्रेष्ठ तकनीकी का इस्तेमाल किया जा रहा है और सुरंग की सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञों की बराबर मदद ली जा रही है। बचाव काम में लगे विशेषज्ञों का बहुत लंबा अनुभव है। ले जनरल हसनैन ने कहा कि श्रमिकों के बाहर निकलने के बाद उनके लिए समुचित चिकित्सा व्यवस्था की गयी है और जरूरत पड़ने पर उन्हें एम्स रिषीकेश ले जायेगा जहां सभी तरह की व्यवस्था की गयी है।

भारत-नेपाल संयुक्त सैन्य अभ्यास सूर्य किरण पिथौरागढ़ में शुरू

पिथौरागढ़ (एजेन्सी)। संयुक्त सैन्य अभ्यास सूर्य किरण के 17वें संस्करण में भाग लेने के लिए 334 कर्मियों वाली नेपाल सेना की टुकड़ी भारत पहुंची है। यह अभ्यास आज से 7 दिसंबर 2023 तक उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में आयोजित किया जाएगा। यह एक वार्षिक कार्यक्रम है और दोनों देशों में आयोजित किया जाता है। 354 कर्मियों वाली भारतीय सेना की टुकड़ी का नेतृत्व कुमाऊं रेजिमेंट की एक बटालियन द्वारा किया जा रहा है। नेपाल सेना की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व तारा दल बटालियन द्वारा किया जाता है। इस अभ्यास का उद्देश्य जंगल युद्ध,पहाड़ी इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों और शांति स्थापना अभियानों पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत मानवीय सहायता और आपदा राहत में अंतर–संचालनीयता को बढ़ाना है।

भारत नेपाल के सोनौली सीमा पर फर्जी दस्तावेज के साथ दो विदेशी नागरिक गिरफ्तार

महराजगंज – भारत–नेपाल के सोनौली सीमा पर इमिग्रेशन विभाग और सोनौली पुलिस को उस समय एक बड़ी सफलता हाथ लगी जब दो ईरानी नागरिक वीजा पर फर्जी मोहर लगाकर अवैध तरीके से भारत से नेपाल जाने के फिराक में थे। आव्रजन विभाग की टीम ने जांच में पाया कि दोनो ईरानी नागरिक फर्जी दस्तावेज और नकली वीजा स्टंप के द्वारा भारत से नेपाल जाने का प्रयास कर रहे थे। पकड़े गए ईरानी नागरिकों से पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने गहनता से पूछताछ व जांच पड़ताल के बाद उनके विरुद्ध 14 विदेशी अधिनियम एक्ट समेत 420, 467, 471 के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही में जुटी हुई है।

पकड़े गए ईरानी नागरिकों में एक का नाम सोलत कमीलू पुत्र सौरेस व दूसरे का नाम राशिद मददोरनालू पुत्र हुसैन है इमिग्रेशन विभाग के अधिकारियों ने जांच में पाया की दोनों ईरानी नागरिकों के भारत में रहने का वीजा 2022 में ही समाप्त हो गया था। इसके बाद अवैध तरीके से दोनों ईरानी नागरिक भारत में रह रहे थे। इन्होंने वीजा में फर्जी मोहर लगाकर नेपाल जाने का प्रयास किया लेकिन भारत नेपाल के सोनौली ब र्डर पर इमीग्रेशन विभाग की जांच में पकड़े गए और उनके नेपाल जाने के मंसूबे नाकाम हो गए। आव्रजन विभाग व सुरक्षा एजेंसियों ने पूछताछ व जांच पड़ताल के बाद उनके विरुद्ध केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही में जुटी हुई है।

दिल्ली में नकली घी बनाने वाली यूनिट का भंडाफोड़

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली पुलिस ने नकली घी बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इनके पास से अमूल, मदर डेयरी, पतंजलि और नक्श डेयरी उत्पादों की पैकेजिंग सामग्री बरामद हुई है। जानकारी देते हुए अधिकारी ने बताया कि द्वारका जिले की डीआईयू (जिला जांच इकाई) और सतर्कता इकाई को अधिकार धारक कंपनियों की शिकायतों पर क पीराइट और ट्रेडमार्क मामलों में छापेमारी करने का कर्तव्य सौंपा गया है।

पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एम. हर्ष वर्धन ने कहा, १६ नवंबर को डीआईयू और द्वारका की विजिलेंस शाखा की संयुक्त टीमों ने दिचाऊं कलां में छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान एक फैक्ट्री में नकली घी तैयार करने और पैकेजिंग का काम चलता पाया गया। डीसीपी ने कहा, विभिन्न ब्रांडों के वनस्पति घी के साथ एक एल्यूमीनियम टब जिसमें घी जैसा पदार्थ, इलेक्ट्र निक वजन मशीन, जलता हुआ स्टोव, और मदर डेयरी, अमूल, मिल्कफूड, नक्श डेयरी आदि के टेट्रा पैक बक्से (५०० मिलीलीटर और १,००० मिलीलीटर) पाए गए। आगे बताया, उक्त फैक्ट्री में अर्जुन और एक नाबालिग नाम के दो कर्मचारी मौजूद पाए गए, जिन्होंने बताया कि फैक्ट्री उम्मेद सिंह (परिसर के मालिक) के भतीजे सुमित की है। श्रमिकों से संबंधित ब्रांडों के प्राधिकार पत्र के बारे में पूछा गया, जिसे वे दिखाने करने में विफल रहे। डीसीपी ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और फैक्ट्री के मालिक सुमित को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

डीसीपी ने बताया, पुलिस ने मदर डेयरी के लेबल वाले १२० कार्टून, मदर डेयरी पैक में पैक चार लीटर घी, पतंजलि घी के २३१ खाली पैक, अमूल घी के लेबल वाले १०० कार्टून, अमूल घी के लेबल वाले १२४५ टेट्रा पैक ब क्स, १५६८ आंतरिक प्लास्टिक पाउच अमूल घी के लेबल वाला टेट्रा पैक, ५० लीटर नक्श घी सहित अन्ध्य सामान बरामद किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग, बक्शीपुर, जनपद – गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला –द्वितीय तल, पुष्पांजलि काम्पलेक्स शाही मार्केट, गोलघर,जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

सम्पादक

शक्ति शंकर

मो0 :– (. 91) 7233999001